हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, बुधवार, 20 अगस्त 2025

11 1962 में चकबंदी के दौरान अनुसूचित...

11 डिजिटल उपकरणों का उपयोग हमेशा अभिभावकों...

MR DEGREE COLLEGE
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
Affiliated to Indira Gandhi University, Meerpur (Rewari)
GET UPTO 100% SCHOLARSHIP
COURSE AVAILABLE
B.SC. (Medical) / B.SC. (Non-Medical)
B.A. / B.COM / M.SC. (Phy. & Chem.)
B.Ed. / JBT / D-PHARMA
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
For Admission Visit College Campus
Bus Facility Available From All Routes
MITTERPURA (M/GARH) HRY.
9466886066, 9416903367, 9416903021
mrcollegemitterpura@gmail.com

खबर संक्षेप

बंद मकान से चोरों ने नकदी व जेवरात किए चोरी

नारनौल। शहर के मोहल्ला माली टिब्बा में चोरों ने बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी, जेवरात व अन्य सामान चोरी कर लिया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में शहर के मोहल्ला माली टिब्बा निवासी नरोतम ने बताया कि बताया कि उसने माली टिब्बा मोहल्ले में वाटर सप्लाई के सामने मकान बना रखा है तथा वह वर्तमान में गुरुग्राम रहता है। अभी उसका मकान बंद था। किसी ने उसके पास फोन करनके बताया कि आपके मकान के अंदर रात को चोर घुस गए हैं।

भारत के राज्य चिह्न का दुरुपयोग गलत

नारनौल। भारत का राज्य चिह्न भारत सरकार की आधिकारिक मुद्रा है। इस चिह्न में सिंह शीर्ष की रूपरेखा है, जिसमें तीन सिंह शीर्ष पर आरूढ़ हैं। जिसके मध्य में एक धर्म चक्र, दाईं ओर एक बैल, बाईं ओर एक दौड़ता हुआ घोड़ा और दाईं तथा बाईं ओर धर्म चक्रों की रूपरेखा है, जिसके नीचे देवनागरी लिपि में सत्यमेव जयते लिखा हुआ है। ऐसे में यह चिह्न सही रूप में ही प्रयोग किया जाना चाहिए। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि भारत के राज्य चिह्न का डिजाइन भारत के राज्य चिह्न (अनुचित प्रयोग निषेध) अधिनियम 2005 की अनुसूची के परिशिष्ट एक और दो में दिया गया है।

आपसी रंजिश में मारपीट तीन ओर गिरफ्तार

नारनौल। आपसी रंजिश के चलते जान से मारने की नियत से रॉड, सरिए, लाठी–डंडों से हमला कर चोटें मारने के मामले में कार्रवाई करते हुए सिटी पुलिस ने तीन ओर आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान पटीकरा निवासी मोहित, रजत और मोहित के रूप में हुई है। पूछताछ में पुलिस ने आरोपितों से वारदात में प्रयोग की गई तीन मोटरसाइकिल, एक लोहे की रॉड, सरिया और एक बाइक चेन बरामद की है। आरोपितों से पूछताछ कर मंगलवार न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में चार आरोपितों को पुलिस द्वारा पहले गिरफ्तार किया गया था। शिकायतकर्ता मनोज वासी पटीकरा ने बताया कि 14 जनवरी की शाम को उसका लगन समारोह था। उस दिन कमल व उसके अन्य सात-आठ साथी कार्यक्रम में आए और कार्यकम को बिगाड़ने की नीयत से जानबुझकर बिना किसी कारण झगड़ा किया।

हकेंवि में दाखिले के लिए आवेदन का अंतिम मौका

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए जारी दाखिले की प्रक्रिया के अंतर्गत बीवॉक इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए सीयूईटी (यूजी) परीक्षा देने वाले विद्यार्थी 20 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए प्रयासरत है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं काउंसलिंग शाखा द्वारा जारी नोटिस के अनुसार विश्वविद्यालय में बीवॉक इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए पोर्टल एक बार फिर से ओपन किया गया है।

29 साल पहले थी 90 बसें, अब डबल आबादी पर मात्र 130, अभी 100 की दरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले की सड़कों पर आबादी का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 29 साल में जिला की जनसंख्या दोगुनी हो चुकी है, लेकिन जिला परिवहन विभाग की सुविधाओं का हाल जस का तस है। हालत यह है कि 10 लाख से अधिक लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए रोडवेज डिपो के पास महज 130 बसें ही हैं। बता दें कि वर्ष 1996 में रेवाड़ी और नारनौल को अलग-अलग रोडवेज डिपो बनाया गया था। उस समय नारनौल डिपो के पास 90 बसें थीं। आज 29 साल बाद भी बसों की संख्या केवल 40 ही बढ़ी है। यानी लगभग दोगुनी हुई आबादी के मुकाबले बसों का इजाफा केवल 45 प्रतिशत ही हुआ। शहर से जुड़ने वाले ग्रामीण रूटों पर यात्रियों को सबसे ज्यादा मुश्किलें झेलनी पड़ रही हैं।

खास बातें

- वर्ष 1996 में नारनौल और रेवाड़ी बनाए गए थे अलग डिपो
- नारनौल को अलग डिपो बनाते समय दी गई थी 90 रोडवेज बस, 29 साल में केवल 45 प्रतिशत बढ़ी बसों की संख्या
- शहर से जुड़ने वाले ग्रामीण रूटों पर परेशानी

लाख की आबादी पर महज 130 बसें, यात्रियों को रोज उठानी पड़ रही परेशानी

ग्रामीण रूटों के यात्रियों को उठानी पड़ रहीं है अधिक परेशानी

ग्रामीण रूटों पर सुबह और शाम के समय बसों में अधिक भीड़ रहती है। कई बार यात्रियों को छत या दरवाजे पर लटककर सफर करना पड़ता है। कई गांवों के लिए बसें दिन में केवल दो-तीन बार ही चलती हैं, जिससे लोग मजबूरी में निजी वाहनों या महंगी टैक्सियों का सहारा लेते हैं। यात्रियों का कहना है कि बसें कम होने के कारण घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार बच्चे और महिलाएं भीड़ में धक्का-मुक्की का शिकार हो जाते हैं। छात्रों और नौकरीपेशा लोगों के लिए समय पर बस न मिलना बड़ी समस्या बन चुकी है। क्षमता से ज्यादा सवारियों को लेकर बसें चलाना रोजमर्रा की बात हो गई है। यह स्थिति किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

डिपो को है 100 और बसों की आवश्यकता

रोडवेज यूनियन के पदाधिकारियों की मानें तो वर्तमान आबादी और यात्रा मांग को देखते हुए नारनौल डिपो में कम से कम 250 बसों की जरूरत है लेकिन सरकार की ओर से लंबे समय से नई बसों की स्वीकृति नहीं दी गई। वहीं रोडवेज बेड़े में शामिल 130 बस में 19 छोटी बस है तथा 10 एसी बस है। एसी बसों का संचालन लंबे रूटों पर किया जा रहा है। इसके अलावा प्रतिदिन पांच से सात बसों को ब्रेकडाउन होता है। ऐसे में करीब प्रतिदिन 100 रोडवेज बसों पर जिला के यात्रियों का भार होता है।

पंचायत से सरपंच ने बनाई दूरी, कोरियावास पंचायती फैसले से ग्रामीण एकमत

मेडिकल कॉलेज में जनसुविधा, एडमिशन व नौकरी में मिले आरक्षण, नामकरण को स्वयं देखे सरकार

- मेडिकल कॉलेज कोरियावास के नामकरण को प्राथमिकता नहीं
- शहीद के नाम पर रखें तो गांव के शहीद नित्यानंद यादव प्रथम नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मेडिकल कॉलेज के नामकरण को लेकर चल रहे विवाद के बीच सोमवार देर शाम गांव कोरियावास में पंचायत हुई। इसमें हाल सरपंच ने दूरी बनाए रखी। पंचायती तौर पर जो ग्रामीण एकत्रित हुए, उन्होंने एकमत होकर मेडिकल कॉलेज में जनसुविधा और गांव के लोगों को जमीन के बदले एडमिशन व नौकरी में आरक्षण देने की मांग को प्राथमिकता पर रखा। नामकरण पर फैसला सरकार पर छोड़ दिया। वहीं मेडिकल कॉलेज को जमीन जब कोरियावास पंचायत ने दी थी, उस वक्त सरपंच रहे राजाराम ने स्पष्ट किया कि जमीन देते वक्त नामकरण जैसी कोई मांग पंचायत की ओर से नहीं रखी गई। उस वक्त किसी ने गाइड नहीं किया और अगर कोई गाइड कर देता तो शायद हम हमारे गांव से शहीद नित्यानंद यादव का नाम दे देते। पंचायती तौर पर सरकार से मांग की गई कि मेडिकल कॉलेज में जल्द से जल्द जनसुविधाएं मुहैया करवाई जाए। इसको लेकर प्रस्ताव सरकार को भेजने पर सहमति बनी।

नारनौल। कोरियावास में हुई पंचायत में मौजूद ग्रामीण।

किसने क्या कहा

धरने पर हमारे ही चाचा ताऊ, उन्हें भी मनाएंगे

मास्टर सुजान सिंह यादव ने कहा कि जो धरने पर बैठे है वह हमारे चाचा ताऊ है। हमारा उनसे कोई विरोध नहीं। हमारी सिर्फ एक ही मांग है कि मेडिकल कॉलेज सुचारू रूप से चले। सभी सुविधाएं हो। हमने जमीन दी, उसके बदले में हमारे बच्चों को रोजगार मिल जाए। गांव को आरक्षण मिले। पूरा गांव सुविधा के पक्ष में है। धरने पर बैठे लोग भी हमारे ही है। उन्हें भी मनाएंगे।

अब जिनकी चलती है, वह हमें सुविधा दें

तेजवीर यादव ने कहा कि पंचायत में सभी वक्ताओं ने सभी कुछ बता दिया। एक सीधी से बात है, हमें मेडिकल कॉलेज में अच्छी से अच्छी सुविधा चाहिए। हमारे बच्चों को आरक्षण मिले। नाम को लेकर हमारा कोई विवाद नहीं। किसी का फेवर नहीं। जो सरकार रखना चाहे रखे। जब मेडिकल कॉलेज के लिए जगह जिला में देखी जा रही थी, उस टाइम पर हमारे सामने मेन बात यह थी कि कॉलेज बन जाए। सरे बड़े बड़े नेता कहीं कोई खींचने लग रहा था, उस टाइम पर जिनकी चली उन्होंने बनवा दी। अब जिनकी चलती है, वह हमें सुविधा दे। हमारे लिए सब बराबर है। हमारे लिए तो जो सुविधा दे दे हमारा वो नेता। कोई राजनीति नहीं। सीधी सी बात हमें सुविधा दे दो। हमारे बच्चों को आरक्षण दे दो। इसके अलावा हमारी कोई डिमांड नहीं।

मेडिकल कॉलेज चलने दो नाम से कोई मतलब नहीं

बुजुर्ग महावीर सिंह से मीडिया ने पंचायत में फैसले के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि पंचायत में यह तय हुआ कि मेडिकल कॉलेज को चलने दो। नाम से कोई मतलब नहीं। दो ही बातें है। पहली इस मेडिकल कॉलेज को चलाओ। मीडिया ने पूछा कि नामकरण बदलाव को लेकर गांव के ही लोग धरने पर बैठे है? इस पर बुजुर्ग ने कहा कि यह वो जाने। वह भी भाई अपने है। नाम वाला मुद्दा तो यूं ही चलेगा। कोई कुछ कहेगा कोई कुछ कहेगा। हमारी मुख्य मांग इस मेडिकल कॉलेज को चलाने की है।

हमें सुविधाओं से मतलब, गांव को मिले आरक्षण

युवा कुलदीप यादव ने कहा कि किसी व्यक्ति ने यह कहा कि मेडिकल कॉलेज को ताला लगा देंगे। उस व्यक्ति से हमारा कोई व्यक्तिगत द्वेष नहीं है। लेकिन उसे सीधे सीधे यह संदेह जरूर देना चाहते है और बताना चाहते है कि इस गांव कोरियावास में अकेले 30 एमबीबीएस डॉक्टर है जो शायद अकेले किसी गांव में नहीं होंगे। बिल्डिंग सरकार ने बना दी। डॉक्टर हमारे। रही बात मशीनों के पैसों की, यह गांव व जनता बैठी है, पैसा एकित्रत करके हॉस्पिटल हम चला लेंगे। ताला नहीं लगेगा यहां। राजनीति को छोड़कर जनहित की नजर से देखे तो परिणाम बेहतर होंगे। जो धरने पर बैठे है, उनके पास कोई माइक नहीं है। धरने में कोई शोरगुल नहीं है। धरने से मरीज परेशान हो, यह बात कहना मेरे हिसाब से सहीं नहीं है। धरना पूरी तरह शांत तरीके से दिया जा रहा है।

शहीद के नाम की बात आए तो गांव में शहीद नित्यानंद यादव

रिटायर्ड विख्याता कृष्ण यादव ने पंचायत के बारे में बताया कि जो मेडिकल कॉलेज में सुविधाएं मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल रही। मात्र 30 ओपीडी आ रही है। आज की पंचायत में निर्णय लिया गया है कि हम शहीद राव तुलाराम के नाम का बहिष्कार नहीं करते। अगर शहीद की बात होती है तो हमारे गांव में 1962 में चाइना में शहीद हुए नित्यानंद यादव का नाम है। ऋषि का नाम लेते है तो हमारे हमारे गांव से भी है। हमारा किसी से कोई विरोध नहीं है। हमारी मांगों में प्राथमिकता मेडिकल कॉलेज में सुविधाएं है और जमीन देने के नाम पर गांव के लोगों के लिए एडमिशन व नौकरी में आरक्षण की है। यह सरकार के पास प्रस्ताव भेजेंगे। वहां धरने पर बाहर से आने वाले लोग पैड है। जहां तक ताला लगाने की बात है, पूरा गांव एकजुट है। हमने जमीन और सरकार ने इतना पैसा लगाया। कोई ऐसा करेगा तो हम उस ताला सहित उन्हें उखाड़कर फैंक देंगे। ताला लगने से पहले हम वहां मर जांएगे।

जब गांव ने जमीन दी, तब नहीं थी कोई भी मांग

मीडिया की ओर से पूछे गए सवाल जब गांव से मेडिकल कॉलेज के लिए जमीन ली गई, उस वक्त कोई गांव की तरफ से मांग रखी गई थी? का जवाब देते हुए पूर्व सरपंच राजाराम ने बताया कि उस वक्त इस बात की कोई चर्चा नहीं थी। ना ही ऐसा कोई सवाल सामने आया कि इसका नाम होना है या नहीं होना। हमने लोगों से पूछने की भी कोशिश की थी। ऊपर से भी पूछा था तब कहा गया था कि यह ऊपर लेवल की बात है, आपके लेवल की बात नहीं है। इसलिए उस टाइम हम अनबोल रहे। अगर उस समय दे देते तो यह नोबत नहीं आती। उस वक्त इस तरह की कोई बात नहीं थी। उस वक्त किसी ने गाइड नहीं किया और अगर कोई गाइड कर देता तो शायद हम हमारे गांव से शहीद नित्यानंद यादव का नाम दे देते। मेरे कार्यकाल में मैंने कोई किसी का नाम नहीं दिया। ना ही कोई चर्चा उस वक्त सामने आई। अब यह सवाल चल रहे है कि जब ऐसा हो जाता तो ठीक था। सरपंच की तो उस वक्त अनमूल थी। उस वक्त किसी ने गाइड नहीं किया। मीडिया ने पूछा अगर उस वक्त नामकरण को लेकर नाम आता तो क्या किसका नाम देते? सवाल पर पूर्व सरपंच ने कहा कि इस तरह की चर्चा होती तो गांव वालों से पूछता। पूरे गांव से तसल्ली करके नाम को आगे बढ़ाता। उस वक्त तो माहौल यह था कि किसी तरह कॉलेज हमारे यहां कोरियावास में बन जाए। उस वक्त भी बहुत भारी दिक्कत आई थी, पर आज जब गांव से दूर बाहर के आकर कर रहे है यह अच्छा तो है नहीं।

नारनौल। वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण करती सीजेएम नीलम कुमारी।

सीजेएम ने किया वन स्टॉप सेंटर का दौरा

नारनौल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नीलम कुमारी ने मंगलवार को नशा मुक्ति केंद्र, वन स्टॉप सेंटर, सेफ हाउस व सीनियर सिटीजन होम का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और लोगों से बातचीत की। नागरिक अस्पताल में स्थित नशा मुक्ति केंद्र के दौरे के दौरान सीजेएम ने मरीजों से बातचीत की और उनका हाल चाल जाना। उन्होंने मरीजों को बताया कि केंद्र के विशेषज्ञ उनकी समस्याओं को हल करने और एक स्वस्थ जीवन जीने में उनकी मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने मरीजों को नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए केंद्र की मदद लेने और एक बेहतर जीवन के लिए प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि नशा मुक्ति केंद्र मरीजों को उपचार और पुनर्वास की सुविधा देता है, ताकि वे अपने जीवन को सुधार सकें।

मनीषा को इंसाफ दिलाने को निकाला कैंडल मार्च

नारनौल। भिवानी की बेटी मनीषा की हत्या के विरोध में गांव ढाणी बाठोठा में युवाओं ने एकजुट होकर एक कैंडल मार्च निकाला। इस दौरान युवाओं ने सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कठोरतम सजा देने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने कहा कि इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी अपराधी किसी बहन या बेटी के साथ ऐसा दुस्साहस न कर सके। उन्होंने प्रशासन की ढिलाई पर रोष प्रकट करते हुए इंसाफ की गुहार लगाई।

फिजिकल काउंसलिंग के अंतिम दिन पीजी कोर्स की 14 सीटें की ऑफर

कॉलेज में कक्षाएं रेगुलर करें अटेंड, वरना काट दिया जाएगा नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

राजकीय पीजी कॉलेज में मंगलवार को पीजी व यूजी कोर्स में रिक्त सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस दौरान मौके पर पहुंचे विद्यार्थियों को पीजी में दाखिले के लिए विभिन्न कोर्स की कुल 14 सीटें ऑफर की गई। वहीं स्नातक में सात सीटें विद्यार्थियों को ऑफर की गई। उपरोक्त विद्यार्थियों को रात 12 बजे तक फीस जमा करवाकर अपना दाखिला कंफर्म करना होगा।

नारनौल। राजकीय पीजी कॉलेज।

यहां पर बता दें कि पीजी कॉलेज में दाखिले के लिए मंगलवार को अंतिम फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन किया गया। जिसमें अभी तक रिक्त सभी सीटें विद्यार्थियों को ऑफर कर दी गई, लेकिन अब देखना होगा कि कितने विद्यार्थी फीस जमा करवाकर दाखिला कंफर्म करते है।

पीजी कोर्स में सीटें की ऑफर: *मंगलवार को हुई फिजिकल काउंसलिंग में विद्यार्थियों को पीजी कोर्स में कुल 14 सीटें ऑफर की गई। जिसमें हिन्दी की एक सीट, अंग्रेजी की दो सीट, इतिहास की एक सीट, कम्प्यूटर साइंस की एक, ज्योग्राफी में एक, मैथ में दो, पीजीडीसीए में एक व डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की पांच सीटें शामिल है।*

यूजी कोर्स में सीटें की ऑफर: *फिजिकल काउंसलिंग में पहुंचे विद्यार्थियों को स्नातक की सात सीटें ऑफर की गई। जिसमें बीए की तीन सीट, बीबीए की एक, बीएससी लाइफ साइंस एक, फिजिकल साइंस की एक व बीकॉम की एक सीट शामिल है।*

क्या कहते है प्राचार्य

पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जगजीत सिंह मोर ने कहा कि कॉलेज में कक्षाएं नियमित रूप से शुरू कर दी गई है। ऐसे में सभी विद्यार्थी जरूर कक्षाएं अटेंड करें, वरना लगातार कक्षा से गैर हाजिर रहने वाले विद्यार्थियों का नाम काट दिया जाएगा। इसलिए विद्यार्थी कॉलेज में नियमित आए।

पीजी कॉलेज में स्नातकोत्तर कोर्स की सीटें

संकाय	स्वीकृत	दाखिले	रिक्त
एमए अंग्रेजी	40	24	16
हिंदी	40	39	1
इतिहास	40	38	2
राजनीतिक विज्ञान	40	40	0
संस्कृत	40	29	11
मास्टर ऑफ कॉमर्स	40	30	10
बॉटनी	20	20	0
कैमेस्ट्री	40	40	0
कंप्यूटर साइंस	40	30	10
ज्योग्राफी	40	36	4
जीयोलॉजी	30	23	7
मैथमेटिक्स	40	36	4
जूलॉजी	20	20	0
पीजीडीसीए	40	16	24
पीजीडीडीएम	40	19	21

अली फजल की नई वेब सीरीज राख का ऐलान

नई दिल्ली। अली फजल न केवल फिल्मी दुनिया, बल्कि ओटीटी पर भी कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कई वेब सीरीज में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है। अब वह फिर से नई वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं जिसकी अनाउंसमेंट भी हो गई है। ओटीटी की नई वेब सीरीज में अली फजल पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाने वाले हैं। सीरीज की कहानी थ्रिल और सस्पेंस से भरी होने वाली है जो अपराध और न्याय के इर्द-गिर्द घूमेगी। एंडेमोलशाइन इंडिया और गुलबदन टॉकीज के बैनर तले बनी सीरीज एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी। इस वेब सीरीज का नाम राख है। इस सीरीज का निर्देशन प्रोसित रॉय कर रहे हैं।

लाइफ Style

हुमा

खुद कहानियां बनाने का किया फैसला

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने हाल ही में निर्माता बनने के फैसले को लेकर कई खुलासे किए। साथ ही उन्होंने बताया कि आखिर वह निर्माता क्यों बनना चाहती हैं। हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम जल्द ही अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म 'बेबी डू डाई डू' रिलीज करने वाली हैं।

अभिनय के अलावा, दोनों ने अब निर्माता बनने का फैसला किया है, ताकि वे अच्छी कहानियों को खुद चुन सकें और उन्हें दर्शकों तक पहुंचा सकें। हुमा का कहना है कि अभिनेत्री के तौर पर उन्हें हमेशा दूसरों के चुने हुए रोल पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे उनमें निराशा थी, क्योंकि वे और भी बहुत कुछ कर सकती थीं। इसीलिए, उन्होंने और साकिब ने खुद कहानियां बनाने का फैसला किया। उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म जल्द रिलीज होगी और इसके बाद हुमा एक इन्वेस्टिगेटिव फिल्म 'बयान' में नजर आएंगी। 39 साल की हुमा ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। इस लिस्ट में गैंग्स ऑफ वासेपुर, डेढ़ इश्किया और जॉली एलएलबी 2 जैसी फिल्में शामिल हैं। अब वह नई और अच्छी कहानियां लाना चाहती हैं। वे कहती हैं कि उन्होंने और साकिब ने दूसरों के मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया। वे अपने प्रोडक्शन हाउस को ऐसा बनाना चाहती हैं, जहां नए चेहरों को मौका मिले और काम का माहौल बेहतर हो। हुमा का कहना है कि वे दूसरों की गलतियों को नहीं दोहराएंगी। भविष्य में वे बड़ी फिल्में बनाना चाहेंगी, लेकिन नए टैलेंट को मौका देने की कीमत पर नहीं।

हॉलीवुड मसाला

25 फिल्मों के बाद भी कम

नहीं हुआ क्रेज

नई दिल्ली। जेम्स बॉन्ड एक फिक्शनल जासूस कैरेक्टर है, जिसे ब्रिटिश राइटर इयान फ्लेमिंग ने 1953 में बनाया था। पहली फिल्म से मशहूर होने के बाद जेम्स बॉन्ड पर 25 फिल्में बन चुकी हैं। लेकिन, अभी भी दर्शकों के साथ-साथ फिल्म मेकर्स का इस कैरेक्टर को लेकर क्रेज खत्म नहीं हो रहा है। बॉन्ड फिल्में अपने साउंडट्रैक समेत कई बेहतरीन चीजों के लिए जाना जाता है। इसके थीम सॉन्ग्स को कई बार ऑस्कर में नॉमिनेश और तीन बार अवॉर्ड भी मिले। ज्यादातर फिल्मों में बॉन्ड की कारें, उनकी बंदूकें और बॉन्ड गर्ल्स को काफी पसंद किया गया है।

बैटमैन की आ चुकी हैं 18 मूवीज 10 एक्टर्स बने सुपरहीरो

नई दिल्ली। डीसी फिल्म्स ने सुपरहीरो मूवीज की शुरुआत की और सुपरमैन के बाद सबसे हिट फ्रेंचाइजी बैटमैन थी। बैटमैन की 18 मूवीज आ चुकी हैं। 10 एक्टर्स सुपरहीरो बने। बैटमैन पहली बार बड़े पर्दे पर 1943 में पहुंचा था। इसका निर्माण कोलंबिया पिक्चर्स ने किया था। यूं तो यह सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन यह एपिसोडिक थी। इसके कुल 15 चैप्टर सिनेमाघरों में रिलीज हुए थो जो हफ्ते में एक बार आते थे। उस वक्त बैटमैन का किरदार लैम्बर्ट हिलियर ने निभाया था और उन्होंने अपने किरदार में जान फूंक दी थी। यह सीरीज इतनी हिट हुई थी कि इसे कोलंबिया पिक्चर्स ने 1954 और 1962 में री-रिलीज किया था। बैटमैन डीसी कॉमिक्स का एक फिक्शनल कैरेक्टर है। इसका असली नाम ब्रूस वेन है जो बहुत अमीर है और गौथम शहर में रहता है।

डर के बाद पहली बार पहुंचे यशराज स्टूडियो

मुंबई। सनी देओल और यशराज फिल्म्स ने साल 1993 में बॉलीवुड को ब्लॉकस्टर फिल्म 'डर' दी थी। लेकिन, इसके बाद उसने फिर दोबारो कभी यश चोपड़ा और आदित्य चोपड़ा के साथ काम नहीं किया। कथित तौर पर सनी देओल का सेट पर वाईआरएफ से झगड़ा हुआ था। लेकिन, अब 30 साल बाद अचानक सनी को आदित्य चोपड़ा के स्टूडियो के बाहर देखा गया। कयास लगने शुरू हो गए कि शायद तीन दशक पुरानी रार अब खत्म हो गई है। चर्चा यह भी शुरू हुई कि क्या 30 साल बाद यह जोड़ी फिर से किसी नई फिल्म की तैयारी में है! सनी देओल यकीनन वाईआरएफ के स्टूडियो पहुंचे थे। लेकिन, यह किसी फिल्म के लिए मुलाकात नहीं थी। असल में एक्टर वहां संगीतकार मिथुन से मिलने गए थे, जिन्हें उन्होंने अपनी अगली फिल्म के लिए साइन किया है।

कांतारा चैप्टर-1 में गुलशन बनेंगे कुलशेखर

मुंबई। कांतारा चैप्टर 1 की रिलीज में जहां अब डेढ़ महीने का वक्त बचा है, वहीं मेकर्स ने मंगलवार को फिल्म की कास्ट से गुलशन देवैया का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया है। वह फिल्म में कुलशेखर के किरदार में नजर आएंगे। कांतारा चैप्टर 1 ऋषभ शेट्टी की साल 2022 में रिलीज ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कांतारा' का प्रीक्वल है। यह वह फिल्म है, जिसने कन्नड़ सिनेमा को नई ऊंचाइयां दीं। महज 16 करोड़ के बजट में बनी और देश में 309.64 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया है। यही नहीं, ऋषभ शेट्टी को इसके लिए नेशनल अवॉर्ड भी मिला। 'कांतारा' की रहस्यमयी दुनिया में गुलशन देवैया के किरदार की पहली झलक अपने आप में उत्सुकता को बढ़ाने वाली है। पोस्टर में गुलशन का किरदार शाही अंदाज में सिंहासन पर विराजमान है।

टीवी मसाला

बिंजोला परिवार के आने से गोकुलधाम में बढ़ेगी रौनक

नई दिल्ली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जब भूतनी वाला ट्रैक जोड़ा गया तो यह तीन हफ्ते लगातार टीआरपी में नंबर वन रहा, पर इसके बाद इसकी टीआरपी गिर गई। अब मेकर्स एक और ट्विस्ट लेकर आए हैं। 'तारक मेहता' की गोकुलधाम सोसाइटी में अब एक नए परिवार की एंट्री हो गई है, जो ट्विस्ट के साथ कॉमेडी का जायका और बढ़ाएगी। इस परिवार के आने से अब शो में न सिर्फ नए किरदारों की एंट्री हुई है, बल्कि दर्शकों को नई कहानी और नया फ्लेवर देखने को मिलेगा। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में धरती भट्ट, कुलदीप गौर, अक्षान सहरावत और माही भद्रा की नई एंट्री हुई है। कुलदीप गौर शो में रतन बिंजोला नाम के साड़ी बेचने वाले दुकानदार का रोल निभाएंगे, जो जयपुर का रहने वाला है। धरती भट्ट, रतन बिंजोला की पत्नी रूपा के रोल में नजर आएंगी। रूपा एक हाउसवाइफ ही नहीं, बल्कि कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी है। वहीं, अक्षान सहरावत और माही दोनों रतन और रूपा के बच्चों का किरदार निभाएंगे। 'तारक मेहता' में अभी तक टप्पू सेना की थी, जिसने अपनी मासूमियत और शरारतों से गोकुलधाम के निवासियों का ही नहीं, बल्कि दर्शकों भी दिल जीत लिया था। अब टप्पू सेना के अलावा सोसाइटी में दो नए बच्चे आए हैं, जो दर्शकों का दिल जीतने के लिए कमर कस चुके हैं।

केबीसी में दिहाड़ी मजदूर के बेटे ने जीते 25 लाख

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति 17 के लेटेस्ट एपिसोड में हॉट सीट पर गुजरात के दिहाड़ी मजदूर के बेटे संजय देगामा बैठे। अमिताभ बच्चन ने 'फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट' राउंड करवाया, जिसमें संजय देगामा के अलावा स्नेहा ज्वारे को 'जल्दी 5' राउंड खेलने के लिए चुना गया। इसमें संजय देगामा जीते और उन्होंने हॉट सीट पर बैठने का मौका मिला। संजय देगामा ने 25 लाख रुपए जीते, पर 50 लाख रुपए के लिए पूछे गए सवाल का जवाब नहीं दे सके। अमिताभ बच्चन ने संजय से जो सवाल पूछा था, वह था: साल 1973 में हैंस एन्गर्ट को हराकर कौन से भारतीय विंबलडन के दूसरे दौर में पहुंचे थे? इसके चार विकल्प दिए गए थे- ए) चिरादीप मुखर्जी, बी) गौरव मिश्रा, सी) जयदीप मुखर्जी और डी) नंदन बाल। संजय देगामा को इसका जवाब मालूम नहीं था, इसलिए उन्होंने गेम छोड़ने का फैसला किया। हालांकि, क्विट करने के बाद उन्होंने 50 लाख के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने ऑप्शन बी) गौरव मिश्रा चुना, जो गलत जवाब था। सही जवाब ऑप्शन ए) चिरादीप मुखर्जी था।

सेना छोड़कर 44 की उम्र में किया बॉलीवुड डेब्यू

मुंबई। 44 साल की उम्र में अच्युत पोतदार ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। अभिनय की दुनिया में आने से पहले वह सेना में रहे, कैप्टन के पद से रिटायर हुए, प्रोफेसर के तौर पर भी शिक्षा के क्षेत्र में काम किया। इसके बाद ही अभिनय की दुनिया में दस्तक दी, उन्होंने लगभग 125 बॉलीवुड फिल्मों में एक्टिंग की। वह अधिकतर सहायक भूमिकाओं में नजर आए। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल में भी अच्युत पोतदार ने अपने अभिनय के रंग बिखेरे।

3 इडियट्स में प्रोफेसर का रोल करके हुए मशहूर : आमिर खान की 3 इडियट्स में अच्युत पोतदार ने अभिनय किया था। वह इसमें एक प्रोफेसर के रोल में नजर आए। रोल छोटा था, लेकिन दर्शकों को याद रह गया। इस फिल्म में उनका कहा गया डायलॉग 'अरे, कहना क्या चाहते हो?' खूब मशहूर हुआ। यह डायलॉग आगे चलकर मीम मटीरियल बन गया। सिर्फ इसी फिल्म में वह नजर नहीं आए। कई और फिल्में भी की थीं।

इन फिल्मों में किया अभिनय : अच्युत पोतदार ने कई बड़ी फिल्मों में अभिनय किया। जैसे अमिताभ बच्चन की फिल्म भूतनाथ में वह एक मंदिर के पुजारी बने थे,। आर. राजकुमार में भी पंडित का रोल किया था। फिल्म दबंग में उन्होंने देबी सिंह का रोल किया। फिल्म फेरारी की सवारी में एक बैट शॉप की मालिक का रोल किया। विद्या बालन के साथ परिणीता और रंगीला में उर्मिला के साथ अभिनय किया, दोनों फिल्मों में इन हीरोइनों के पिता का रोल किया था। फिल्म ये दिल्लगी में भी काजोल के पिता के रोल में वह नजर आए।

चर्चित टीवी सीरियल में भी नजर आए

फिल्मों के अलावा अच्युत पोतदार ने कई टीवी सीरियल, सीरीज भी कीं। इसमें भारत एक खोज, प्राइम मिनिस्टर, वागले की दुनिया और माझा होशिल ना जैसे सीरियल शामिल रहे। मराठी सीरियल माझा होशिल ना के लिए उन्हें 2021 में जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फ्लॉप रही थीं ये कल्ट क्लासिक फिल्में आज तारीफें करते नहीं थकते लोग

मुंबई। बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में हैं जो जब रिलीज हुई थीं तो इन्हें जनता ने खास इम्पॉर्टेंस नहीं दिया। ये फिल्में अपनी रिलीज के वक्त फ्लॉप हो गई थीं, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इन फिल्मों का महत्व समझा और ये मूवीज कल्ट क्लासिक बन गईं।

अंदाज अपना अपना : लिस्ट में पहले नंबर पर है साल 1994 में आई फिल्म 'अंदाज अपना अपना'। महज 2.9 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म में बड़े स्टार्स से लेकर आइकॉनिक विलेन्स तक सब कुछ था, लेकिन फिर भी यह फिल्म फ्लॉप हो गई थी। वक्त के साथ जब लोगों ने इस फिल्म के सिनेमैटिक महत्व को समझा तो यह सुपरहिट हो गई। इस मूवी की आईएमडीबी रेटिंग 8 है और आप इसे आज ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

तुम्बाड : साल 2018 में आई फिल्म 'तुम्बाड' उन दिनों पब्लिक के खराब टेस्ट की भेंट चढ़ गई थी। लेकिन आईएमडीबी पर 8.2 रेटिंग वाली इस फिल्म का महत्व लोग वक्त के साथ समझे। कमाल की कहानी और दमदार सस्पेंस थ्रिलर वाली इस फिल्म को आज की तारीख में आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

तमाशा : रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'तमाशा' की कहानी काफी डीप थी और इस फिल्म में एक काफी अहम मैसेज भी था, लेकिन जब यह फिल्म रिलीज हुई तो कुछ खास नहीं चली। लेकिन, साल 2015 में रिलीज हुई इस फिल्म को गुजरते वक्त के साथ महत्व मिला और आईएमडीबी पर 7.4 रेटिंग वाली इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

देल्ही बेली : आमिर खान बिना बजट की परवाह किए एक बोल्ड कॉमेडी फिल्म बनाना चाहते थे। लेकिन, जब उन्होंने 'देल्ही बेली' बनाकर रिलीज की, तो यह बुरी तरह पिट गई। बाद में फिल्म को धीरे-धीरे तवज्जो मिला और इसे आईएमडीबी पर 7.6 रेटिंग मिली थी।

108 साल पहले आया डबल रोल का कॉन्सेप्ट, कई सितारे निभा चुके हैं दोहरी भूमिका

एक ही अभिनेता ने निभाया था फिल्म में राम और सीता का किरदार

नई दिल्ली। *एक टिकट खरीदकर पूरे ढाई से तीन घंटे सिर्फ अपने ही पसंदीदा सितारे को डबल रोल में देखना किस फैन की ख्वाहिश नहीं होगी। दिलीप कुमार से लेकर नरगिस दत्त देवानंद और श्रीदेवी जैसे कई सितारे फिल्मों में दोहरी भूमिका निभा चुके हैं। हालांकि, डबल रोल निभाने वाले अभिनेता का जन्म 108 साल पहले ही इंडस्ट्री में हो गया था जो पर्दे पर राम और सीता दोनों बने थे। फिल्मों में डबल रोल का कंसेप्ट काफी समय से चला आ रहा है। हेमा मालिनी की 'सीता और गीता' से लेकर, शाह रुख खान की 'डुप्लीकेट', दिलीप कुमार की 'राम और श्याम और सलमान खान की जुड़वा दर्शकों ने थिएटर में बैठकर एक टिकट पर डबल मजे लिए। उन्हें अपने पसंदीदा सितारे को एक ही स्क्रीन पर अलग-अलग रोल में देखने का मौका हमेशा से मिलता रहा है। बीते साल जहां शाह रुख खान ने फिल्म 'जवान' में बाप और बेटे का रोल अदा किया था, तो वहीं डबल रोल निभाने की लीग में अब कृति सेनन का नाम भी शामिल हो चुका है। वह अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' में डबल रोल अदा करती हुई दिखाई देंगी।*

इस अभिनेता ने 1917 में बनी फिल्म में निभाया था डबल रोल

पहली फिल्म में डबल रोल की भूमिका अदा करने वाले अभिनेता कोई और नहीं, बल्कि अन्ना सालुंके थे, जिन्होंने भारत की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' में भी काम किया था। अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में उन्होंने हीरो के साथ-साथ नायिका की भूमिका भी अदा की। दादा साहब फाल्के की फिल्म राजा हरिश्चंद्र में रानी तारामती बनने के बाद, वह पर्दे पर माता सीता और भगवान श्रीराम भी बने।

लंका दहन : साल 1917 में एक फिल्म रिलीज हुई, जिसका टाइटल था 'लंका-दहन'। ये फिल्म हिंदू महाकाव्य 'रामायण' पर आधारित थी, जिसे महर्षि वाल्मीकि ने लिखा था। फिल्म का निर्देशन दादा साहब फाल्के ने ही किया था। राजा हरिश्चंद्र के बाद ये निर्देशक की दूसरी फीचर फिल्म थी। राजा हरिश्चंद्र की तरह ही 'लंका-दहन' भी एक म्यूट फिल्म थी।

क्यों अन्ना सालुंके को निभानी पड़ी थी सीता की भूमिका?

भारत को आजादी मिलने से पहले महिलाओं का कमर्शियल फिल्मों में काम करना, या इस तरह से अपनी कला का प्रदर्शन पर्दे पर करना गलत माना जाता था। यही वजह थी कि उस वक्त जो भी फीमेल किरदार आते थे, उसे फिल्म के अभिनेता ही निभाते थे। उन्होंने 'लंका दहन' में श्रीराम का किरदार निभाने के बाद उनकी पत्नी माता सीता का किरदार भी अदा किया था। वह भारतीय सिनेमा के पहले अभिनेता थे, जिन्होंने अधिकतर फिल्मों में अभिनेता और अभिनेत्री दोनों का किरदार निभाया।

क्यों अभिनेता को ही दादा साहब फाल्के ने बनाया हीरोइन?

अन्ना सालुंके को फिल्मों में हीरोइन का रोल करवाना दादा साहब फाल्के की च्वाइस नहीं, बल्कि मजबूरी थी। दरअसल, दादा साहब फाल्के और अन्ना सालुंके की पहली मुलाकात एक रेस्टोरेंट में हुई थी, जहां अभिनेता कथित तौर पर एक वेटर के रूप में काम करते थे। दादा साहेब फाल्के उस दौरान एक लड़की की तलाश में थे, जिसे वह अपनी फिल्म में कास्ट कर सके। लेकिन, फिल्मों से जुड़ना उस समय पर किसी भी महिला को मंजूर नहीं था। ऐसे में दादा साहब फाल्के की नजर अन्ना सालुंके पर पड़ी, जिनका कद-काठी और फीचर ऐसे थे, जिसकी वजह से नायिका की भूमिका के लिए वह निर्देशक को एकदम परफेक्ट लगे। जैसे-तैसे दादा साहब फाल्के 10 रुपए में काम करने वाले सालुंके को 15 रुपए की फीस देकर फिल्मों में आने के लिए मना लिया और बतौर अभिनेता उनकी जर्नी की शुरुआत हो गई।

खबर संक्षेप

शिव कॉलोनी पार्क में सत्संग आयोजित

महेंद्रगढ़। जयगुरु देव सत्संग के तत्वाधान में मंगलवार को शिव कॉलोनी पार्क में अध्यात्मिक सत्संग का आयोजन कर भंडारा किया गया। देव सत्संग के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं उपदेशक रामनिवास यादव ने श्रद्धालुओं को बताया कि नशे से दूर रहना चाहिए। वहीं अंडे, मांस व मछली से दूर रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि किसी को कोई भी ज्ञान प्राप्त करना है तो उसे गुरु तो बनाना ही पड़ेगा, क्योंकि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यादव ने बताया कि गुरु देव महाराज ने बताया कि गुरु हमेशा सोच समझकर एवं परखकर बनाना चाहिए। जिस प्रकार से हम पढ़ाई

जेरपुर पाली में श्रीगंगानगर-तिलक ब्रिज ट्रेन का ठहराव

महेंद्रगढ़। बीकानेर मंडल के डीआरएम के आदेश पर गाड़ी संख्या 14727-28 श्रीगंगानगर तिलकब्रिज का जेरपुर पाली स्टेशन पर ठहराव शुरू हो गया है। दैनिक रेलयात्री महासंघ अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि महेंद्रगढ़ के आदर्श रेलवे स्टेशन पर नई ट्रेनों का ठहराव, विस्तार, फेरे बढ़ाने व ट्रेनों का समय परिवर्तन करने की मांगों को लेकर एक लिखित ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन प्रदेश के सबसे पुराने रेलवे स्टेशनों में से एक है, लेकिन वर्तमान में अमृत रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं का कार्य जोरों पर है। साथ ही गाड़ी संख्या 14727-28 को श्रीगंगानगर-तिलकब्रिज का ठहराव गांव जेरपुर-पाली में करने की मांग थी, जिस पर डीआरएम ने तुरंत प्रभाव से गाड़ी का ठहराव करवा दिया है।

शिवमहापुराण कथा का आयोजन 23 से

मंडी अटेली। गांव उनिन्दा में 23 अगस्त से सात दिवसीय शिवमहापुराण कथा का आयोजन जाएगा। कथा का वाचन चित्रकूट धाम उत्तर प्रदेश से पधारे संत स्वामी कमलदास बापू करेंगे।प्रतिदिन दोपहर सवा 12 से सायं सवा तीन बजे तक का रखा गया है। चित्रकूट धाम से साथ में आई ज्ञानवती देवी ने दी जानकारी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को लेकर बैठक
मॉप अप दिवस 2 सितंबर को

26 अगस्त को निःशुल्क दी जाएगी एल्बेंडाजॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के उपलक्ष्य में 26 अगस्त को एक से 19 साल तक के सभी बच्चों और किशोर व किशोरियों को कृमि नियंत्रण की दवा (एल्बेंडाजॉल) निःशुल्क दी जाएगी। इसी संबंध में मंगलवार को नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली। सीटीएम ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में एक से 19 आयु वर्ग के 345395 बच्चों व 20 से 24 आयु वर्ग की 25461 जो महिलाएं गर्भधारण कर सकती हैं, उन महिलाओं को यह दवा दी जाएगी। इसमें छह से 19 आयु वर्ग के

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते सीटीएम डॉ. मंगल सेन। फोटो: हरिभूमि

118628 निजी स्कूलों व 51573 राजकीय स्कूलों के बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा कॉलेज, तकनीकी संस्थाएं सलम एरिया तथा स्कूलों से छूटे हुए बच्चों के लिए लगभग 103434 का लक्ष्य है। वहीं एक से पांच वर्ष तक के 71760 बच्चे हैं, जिन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से कवर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कृमि संक्रमण के कारण बच्चों व किशोर तथा किशोरियों में कुपोषण और खून की कमी (एनीमिया) हो सकती है, जिससे वे हमेशा थका हुआ महसूस करते हैं। इसके अलावा यह उनके संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास को भी बाधित करता है। उन्होंने बताया कि जो बच्चे 26 अगस्त को किसी कारणवश दवा नहीं ले पाएंगे, उनके लिए दो सितंबर को एक मॉप अप दिवस आयोजित किया जाएगा। इस दिन छूटे हुए बच्चों को दवा अवश्य खिलवाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से वंचित न रहे।

दवा का रूप

▶▶ छोटे बच्चों जो गोली निगल नहीं सकते, उनके लिए गोली को चूरकर या चबाकर पानी के साथ दिया जा सकता है।

▶▶ **अन्य दवाएं:** अगर आपका बच्चा कोई और दवा ले रहा है, तो डॉक्टर को इसकी जानकारी जरूर दें। कुछ दवाएं एल्बेंडाजोल के साथ प्रतिक्रिया कर सकती हैं।

▶▶ दवा का पूरा कोर्स: डॉक्टर की ओर से निर्धारित कोर्स को पूरा करना महत्वपूर्ण हैं

एल्बेंडाजोल देते समय बरतनी जाने वाली सावधानियां

सही खुराक: बच्चों के लिए एल्बेंडाजोल की खुराक उम्र व वजन के हिसाब से अलग होती है।

एक से दो साल के बच्चों को आमतौर पर 200 मिलीग्राम की आधी गोली दी जाती है।

दो से 19 साल के बच्चों को 400 मिलीग्राम की पूरी गोली दी जाती है।

अगर बच्चा 20 किलोग्राम से कम वजन का है, तो भी उसे 200 मिलीग्राम की खुराक दी जा सकती है।

अपनी मर्जी से खुराक न बढ़ाएं, क्योंकि इससे दुष्प्रभाव हो सकते हैं। बच्चा बेहतर महसूस करने लगे। समय से पहले दवा बंद करने से संक्रमण दोबारा हो सकता है।

नगराधीश ने शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पंचायती विभाग के अधिकारियों को इस अभियान के संबंध में जिम्मेदारियां सौंपी। इस बैठक में सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, डॉ. विजय यादव, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन से अनिल शर्मा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। **खाने का समय:** एल्बेंडाजोल को हमेशा भोजन के साथ देना चाहिए। इससे दवा का अवशोषण बेहतर होता है और इसके दुष्प्रभाव कम होते हैं।

अतिरिक्त जानकारी:

कृमि संक्रमण को रोकने के लिए, बच्चों को साफ सफाई के बारे में सिखाना महत्वपूर्ण है। उन्हें नियमित रूप से हाथ धोने, खासकर शौचालय का उपयोग करने के बाद, और कच्ची या अधपकी सब्जियां और मांस न खाने की आदत डालें।

एल्बेंडाजोल की गोली हर छह महीने के अंतराल पर दी जाती है, ताकि कृमि संक्रमण को रोका जा सके।

अलाट किए वैध प्लाटों को अतिक्रमण बताकर विभाग कर रहा तानाशाही : गोठवाल

1962 में चकबंदी के दौरान अनुसूचित जाति के 18 लोगों को विभाग से पैमाइश करके दिए गए थे कब्जे

- गरीबों को मुफ्त प्लाट देने की हरियाणा सरकार की योजना हो रही विफल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार की ओर से 1962 में चकबंदी के दौरान मेघोत हाला के अनुसूचित जाति समाज को अलाट किए गए वैध प्लाटों को लोक निर्माण विभाग भवन एवं सड़क की ओर से अतिक्रमण बताने के मामले में सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में विभिन्न संगठनों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी संगठनों की ओर से लोक निर्माण विभाग की इस अव्यवहारिक कार्यशैली की निंदा की गई और सभी संगठनों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त पत्र मुख्यमंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव, महानिदेशक, उपायुक्त व कार्यकारी अभियंता को पत्र लिखकर मांग की कि इन बेकसूर पीड़ितों के साथ तानाशाही का व्यवहार न करते हुए इनकी पक्की तामीर यथावत रखी जाए।

बैठक का संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से वर्ष 1962 में चकबंदी के मसावती कमेटी द्वारा सभी 18 पात्र पाए गए लोगों को पांच पांच मरले के प्लाट अलाट करने बारे गांव की चकबंदी की कार्रवाई पुस्तिका में अंकित होने के बाद सभी की राजस्व विभाग से पैमाईश करके प्लाट अलाट किए गए थे और 1962 से अब तक इन प्लाटों पर पुख्ता मकान बनाकर सभी लाभार्थी तीन पीढ़ियों से काबिज चले आ रहे हैं। सभी काबिज लोगों के पास पटवारी से हस्ताक्षरयुक्त प्लाट की कॉपियां और नकल जमाबंदी आदि दस्तावेज मौजूद हैं।

नारनौल। बैठक में भाग लेने आए विभिन्न संगठनों के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

पीड़ितों की सुनवाई के लिए कोई तैयार नहीं

समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान ने कहा कि यह विडंबना का विषय है कि राजस्व विभाग से संबंधित समस्त साक्ष्य होने के बावजूद लोक निर्माण विभाग द्वारा इन प्लाटों पर अतिक्रमण दिखाकर बार बार नोटिस देना एक तानाशाही को उजागर करता है, जो न्यायसंगत नहीं है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इन 18 लोगों में से रोड के साथ लगते केवल रोहतास पुत्र रामनारायण व महावीर पुत्र बीरबल को अतिक्रमण हटाने के लिए बार बार नोटिस देना कानूनन गलत और निराधार है। इस संबंध में पीड़ित बार बार उपायुक्त से उनके खुला दरबार में लिखित व मौखिक रूप तथा विभाग के कार्यकारी अभियंता, उपमंडल अभियंता, जेई व सरपंच से लिखित व व्यक्तिगत रूप में सबूतों सहित प्रार्थना कर चुके हैं, लेकिन इन पीड़ितों की सुनवाई करने के लिए कोई भी तैयार नहीं है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर गुरु रविदास महासभा के प्रधान बैलबीर सिंह बबेरवाल, अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर, महर्षि वाल्मीकि समाज के राजेश चांवरिया, धानक समाज के प्रमुख समाजसेवी शिवनारायण मोरवाल, भारतीय सामाजिक परिवर्तन संघ के सुमेर सिंह गोठवाल, खण्ड के प्रधान सुरेश नारनौलिया, नांगल चौधरी के प्रधान रोहतास बबेरवाल, हरियाणा गुरु रविदास एवं अंबेडकर सभा के प्रदेश लेखा सचिव रामकुमार ढैणवाल, वरिष्ठ प्रबंधक जयपाल सिंह व प्यारेलाल चवन, राजेंद्र सिंह जलवान, सूबेसिंह गोठवाल, कानूनी सलाहकार एडवोकेट भीमसिंह दहिया, अमरनाथ सिरोहा, गूगनराम सिरोहा, ताराचंद, हरिराम सिरोहा, प्रवीण प्रजापति, रामचंद्र सैनी, धानक समाज के पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना, सैनी समाज के प्रमुख समाजसेवी किशोरीलाल सैनी, रोहतास सिंह, महावीर प्रसाद, प्रिंस कुमार, राकेश कुमार, हजारीलाल खटावला आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बीआर ज्ञानदीप स्कूल में गणितीय प्रतिभा कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय गणितीय प्रतिभा का आयोजन किया। विद्यालय में भव्य गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें ज्ञान और बुद्धि की रोचक जंग देखने को मिली। प्रतियोगिता का संचालन गणित प्रवक्ता अजीत जांगड़ा, गौतम कुमार और सचिन के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता की शुरूआत त्वरित प्रश्नोत्तर से हुई, जहां पलक झपकते ही उत्तर देना विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। इसके पश्चात तार्किक पहेलियों का चरण आया, जिसने मस्तिष्क की बारीकियों को परखने का काम किया। तीसरे चरण में गणितीय चित्रों और ग्राफ के माध्यम से प्रतिभागियों के ज्ञान की परीक्षा ली गई। अंत में रैपिड क्विज का रोमांचक दौर हुआ, जिसमें समय और बुद्धिमत्ता दोनों की कसौटी पर विद्यार्थी खरे उतरे।चेयरमैन रूपराम यादव और प्राचार्य रामवीर यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि जागृत करती हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयां प्रदान करती हैं।

डीसी ने की राजस्व मामलों की समीक्षा

नारनौल। प्रदेश में राजस्व मामलों के प्रबंधन और डिजिटाइजेशन पर सरकार का विशेष फोकस है। ऐसे में अधिकारी ये सुनिश्चित करें कि वे ततिमा अपडेशन पर फोकस करें। यह निर्देश उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने मंगलवार को हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के वित्तीय आयुक्त और अतिरिक्त मुख्य सचिव से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक के बाद अधिकारियों को दिए। डीसी ने बताया कि जिले में बड़े पैमाने पर मैपिंग कार्यक्रम के तहत ततिमा अपडेट और आधुनिक राजस्व रिकॉर्ड रूम पर फोकस किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ततिमा अपडेशन की साप्ताहिक समीक्षा बैठक हो रही है। बैठक में महेंद्रगढ़ जिले में रोवर का उपयोग करके सीमांकन दरों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में आधुनिक राजस्व रिकॉर्ड रूम पर भी चर्चा हुई। इस बैठक में एसडीएम अनिरुद्ध यादव, नगराधीश डॉ. मंगल सेन, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

गांव सीगड़ी स्थित एमएस स्कूल के छात्र ने प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

- छात्र के गोल्ड जीतने पर पुरस्कार देकर किया सम्मनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता प्रतिभागी को सम्मानित करते सीईओ नरेंद्र राव। फोटो: हरिभूमि

गांव सीगड़ी स्थित एमएस मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र जयदीप ने जिला स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में 10 मीटर राइफल शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

इस अवसर पर स्कूल में समारोह आयोजित कर छात्र जयदीप को संस्था के सीईओ नरेंद्र यादव ने सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल में हार और जीत से अधिक मेहनत और सीखने की भावना महत्वपूर्ण है। हारने वाले खिलाड़ी को निराश होकर नहीं बैठना चाहिए उन्हें ओर अधिक मेहनत करके आगे बढ़ना चाहिए। खेलों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और सहनशील शक्ति बढ़ती है। पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिता में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए, इससे उनकी शारीरिक और मानसिक शक्ति बढ़ती है। प्राचार्य कृष्ण कुमार यादव ने विजेता खिलाड़ी छात्र जयदीप को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों का अभिन्न हिस्सा है जोकि शारीरिक विकास में सहायक है। खेल रोजगार व भाईचारे को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर संस्था का समय स्टाफ विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सतनाली मंडी। समाज के लोगों को समारोह का निमंत्रण देते आयोजक।

महाराजा दक्ष प्रजापति सम्मेलन 31 को

सतनाली मंडी। जिला कुम्हार प्रजापति सभा के तत्वावधान में 31 अगस्त को नारनौल में महाराजा दक्ष प्रजापति सम्मेलन एवं छठा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में कैबिनेट मंत्री रणवीर सिंह गंगवा मुख्य अतिथि होंगे। राष्ट्रीय कुम्हार महासभा के मुख्य संरक्षक लक्ष्मी चंद प्रजापति, दिल्ली पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शांता कुमार आर्य व ओबीसी ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र तंवर, विधायक व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव, विधायक कंवर सिंह यादव व पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव, पूर्व रिटायर्ड आईएएस आरएस वर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। यह जानकारी कस्बे सहित खंड के गांव बलाना, ढाढ़ोत, बारड़ा, सुरेहती, डालनवास आदि में प्रजापति समाज के लोगों को प्रतिभा सम्मान समारोह का नियंत्रण देते हुए सभा के मुख्य संरक्षक किशन लाल लुहानीवाल ने दी। उन्होंने बताया कि समारोह में प्रजापति समाज जिला महेंद्रगढ़ के प्रजापति समाज के 10वीं, 12वीं में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले व स्नातक तथा स्नातकोर में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं, सरपंच, समिति मेंबर, पार्षद व प्रजापति समाज के बुजुर्ग 85 वर्ष से अधिक आयु वालों बुजुर्गों को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर सदस्य धर्मपाल वर्मा, मास्टर रतिराम, सतनाली प्रधान हवासिंह, रामनिवास, महेंद्र सिंह, विक्रम सिंह आदि उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय योगा प्रतियोगिता में एचपीएस के छात्रों का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार की ओर से 1962 में चकबंदी के दौरान मेघोत हाला के अनुसूचित जाति समाज को अलाट किए गए वैध प्लाटों को लोक निर्माण विभाग भवन एवं सड़क की ओर से अतिक्रमण बताने के मामले में सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में विभिन्न संगठनों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सभी संगठनों की ओर से लोक निर्माण विभाग की इस अव्यवहारिक कार्यशैली की निंदा की गई और सभी संगठनों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त पत्र मुख्यमंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव, महानिदेशक, उपायुक्त व कार्यकारी अभियंता को पत्र लिखकर मांग की कि इन बेकसूर पीड़ितों के साथ तानाशाही का व्यवहार न करते हुए इनकी पक्की तामीर यथावत रखी जाए। बैठक का संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से वर्ष 1962 में चकबंदी के मसावती कमेटी द्वारा सभी 18 पात्र पाए गए लोगों को पांच पांच मरले के प्लाट अलाट करने बारे गांव की चकबंदी की कार्रवाई पुस्तिका में अंकित होने के बाद सभी की राजस्व विभाग से पैमाईश करके प्लाट अलाट किए गए थे और 1962 से अब तक इन प्लाटों पर पुख्ता मकान बनाकर सभी लाभार्थी तीन पीढ़ियों से काबिज चले आ रहे हैं। सभी काबिज लोगों के पास पटवारी से हस्ताक्षरयुक्त प्लाट की कॉपियां और नकल जमाबंदी आदि दस्तावेज मौजूद हैं।

नारनौल। एचपीएस स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

कार्यक्रम | हरियाणा स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिजिटल उपकरणों का उपयोग हमेशा अभिभावकों की देखरेख में करें छात्र

कार्यक्रम में छात्रों को साइबर क्राइम से सतर्क रहने की सलाह दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। फोटो: हरिभूमि

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव नीलम कुमारी के मार्गदर्शन में साइबर अपराधों से बचाव व तंबाकू निषेध के प्रति जागरूकता तथा विधिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार मौहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। जिसका शुभारंभ सिविल जज सह न्यायिक मजिस्ट्रेट परमिंद्र सिंह व सिविल जज सह न्यायिक मजिस्ट्रेट पियूष कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सिविल जज परमिंद्र सिंह ने कहा कि साइबर वह अपराध है, जिसमें इंटरनेट, कंप्यूटर, मोबाइल फोन अथवा किसी डिजिटल साधन का उपयोग किया जाता है। उन्होंने छात्रों को सतर्क रहने की सलाह दी और कहा कि डिजिटल उपकरणों का उपयोग अभिभावकों की देखरेख में करें, मजबूत पासवर्ड अपनाए, फिशिंग घोटालों से बचें, सार्वजनिक वाई-फाई का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें और किसी से भी ओटीपी साझा न करें। साइबर अपराध संबंधी शिकायत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर की जा सकती है। सिविल जज पियूष कुमार ने कहा कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आए और अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। यदि साइबर अपराध का शिकार हों तो इसे छुपाए, नहीं बल्कि तुरंत शिकायत करें। उन्होंने बताया कि शिकायत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर की जा सकती है और 24 घंटे के भीतर डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर भी दर्ज की जा सकती है। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता सुरेश कुमार यादव ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम फ्रॉड्स की विभिन्न विधियों, उनसे बचाव के उपायों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हेल्पलाइन नंबर 01282-250322 व नालसा हेल्पलाइन 15100 के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही अन्य वक्ताओं ने तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से तंबाकू से दूर रहने का आह्वान किया। जिसे न्यायिक अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर संजय कुमार, अजय यादव, हरीकिशन, रामनिवास डीपीई, अशोक कुमार, नरेश कुमार, मुकेश चंद, दीपक, लक्ष्मी चौहान, वंदना सैनी आदि मौजूद थे।

जागरूकता रैली निली

इस अवसर पर प्राचार्य अवनीश सैनी, डिविजनल कमांडर टेकचंद यादव, जुडिशियल अफसर अगेन्द्र यादव सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। जागरूकता सत्र के उपरांत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने साइबर अपराध व तंबाकू निषेध जागरूकता रैली निकाली गई।

नारनौल। छात्रा मुस्कान को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका की छात्रा मुस्कान ब्लॉक स्तरीय क्वीज में प्रथम

नारनौल। हरियाणा एचएसएसीएस पंचकूला की ओर से आयोजित विज्ञान प्रतियोगिता के तहत नांगल चौधरी ब्लॉक लेवल साइंस क्वीज में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल की छात्रा मुस्कान ने ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। यह प्रतियोगिता नांगल चौधरी पीएमश्री मॉडल स्कूल में आयोजित हुई। जिसमें ब्लॉक के सभी स्कूलों ने हिस्सा लिया। इस उपलब्धि से न केवल स्कूल को गर्व है, बल्कि पूरे क्षेत्र में मुस्कान की प्रतिभा का लोहा माना जा रहा है। ब्लॉक लेवल पर आयोजित इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। मुस्कान ने अपनी विज्ञान की समझ व कड़ी मेहनत के बल पर यह स्थान प्राप्त किया है। विद्यालय इस तरह की प्रतियोगिता में अपना अव्वल स्थान प्राप्त करता रहा है। यह विद्यालय हमेशा से ही विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर देता रहा है।

सूचना

मैं, पुष्पा देवी पत्नी श्री सहीराम निवासी सुन्दरह, तहसील कनीना, जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरे पुत्र का नाम हिमांशु है जो कि बिल्कुल सही व दुरूस्त है। मेरे उक्त पुत्र ने दसवीं कक्षा यूरो इन्टरनैशनल स्कूल, कनीना से सत्र 2022-23 में उतीर्ण की थी। मेरे उक्त पुत्र की दसवीं कक्षा की मार्कशीट में मेरा नाम पुष्पा (PUSHPA) है जो सही नहीं है। मेरे उक्त पुत्र के सभी दस्तावेजों में मेरा नाम पुष्पा देवी (PUSHPA DEVI) है जो कि मेरे पुत्र की दसवीं कक्षा की मार्कशीट में दर्ज करवाना चाहती हूं जो की किया जावे। मेरे उक्त पुत्र को दसवीं की मार्कशीट के रोल नंबर 17674411 है व रजिस्ट्रेशन नंबर H123/40899/0057 है।

TAGORE SEC. SCHOOL
An English Medium Co-Educational Cultural School (Nursery to x)
SAINIK SCHOOL
NAVODAYA SCHOOL
MILITARY SCHOOL
DEVNARAYAN
HOSTEL FACILITY
LIBRARY
ADMISSION OPEN 2025-26
BABERA ROAD, SANGTEDA, KOTPUTLI (RAJ.) Contact Us : 9256537272, 9314153444
TAGORE COLLEGE
Dr. B.R. Ambedkar Law University, Jaipur
D-PHARMA
Limited Seats PCM, PCB
ADMISSION OPEN
LL.M 2 Year
LL.B 3 Year
For Admission : 9549210000, 8432044810

खबर संक्षेप

चेलावास में ग्रामीणों ने कैंडल मार्च निकाला

कनीना। भिवानी जिले की महिला शिक्षिका मनीषा की रहस्य में मौत को लेकर उप मंडल के गांव चेलावास में ग्रामीणों ने कैंडल मार्च निकाला और प्रशासन से मांग की कि इसकी उच्च स्तरीय जांच कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए। कैंडल मार्च निकालने वालों में गांव के सरपंच विकास, पूर्व सरपंच बंटी, रणजीत साहब, करतार सिंह, संजीव कुमार, कृष्ण पहलवान, सुखबीर पहलवान, सूबेदार सुरेंद्र, डॉ. सचिन, राहुल, सचिन, कर्मवीर, संपूर्ण, मोन, पूर्व सरपंच रामकिशन, रमेश, मनोज सूबेदार, आदि शामिल थे।

आज हुडा सेक्टर में बिजली सप्लाई रहेगी बाधित

नारनौल। सब अर्बन सब डिवीजन के उपमंडल अधिकारी लोकेश कुमार ने बताया कि 20 अगस्त को प्रातः आठ बजे से 10 बजे 33 केवी हसनपुर, 33 केवी हुडा सेक्टर व 33 केवी खटोटी पावर हाउस की सप्लाई बाधित रहेगी। जिसके अंतर्गत आने वाले हुडा सेक्टर, महरमपुर, वाटर वर्कस लहरोदा, निवाजनगर एपी, हसनपुर, थाना, कुलताजपुर, कोरियावास, मारोली, खटोटी, जैलाफ, गहली आदि एरिया की सप्लाई बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि 33 केवी हसनपुर पर लोड शिफ्टिंग का कार्य किया जाएगा, जिसके चलते सप्लाई बंद रहेगी।

नवप्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

मंडी अटेली। राजकीय महाविद्यालय अटेली में नव प्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आगामी सत्र 2025-26 की समस्त गतिविधियों के साथ-साथ टाइम टेबल, एनईपी पाठ्यक्रम, एनसीसी, एनएसएस, रेडक्रॉस, महिला प्रकोष्ठ, विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के साथ-साथ संस्कृत की स्पेशल छात्रवृत्ति, बस पास, पुस्तकालय, पासपोर्ट, ड्राईविंग लाइसेंस, प्लेसमेंट सेल, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, अर्न व्हाईल यू लर्न, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, खेलकूद प्रतियोगिताओं के विषय में विद्यार्थियों को जानकारी दी गई।

युवक ने फांसी लगाकर जीवनलीला की समाप्त

महेंद्रगढ़। गांव मेघनवास निवासी 27 वर्षीय युवक ने घर पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं युवक को एक व्यक्ति द्वारा धमकाने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक कमरे में तीन-चार युवक बैठे हैं। एक युवक हाथ में रॉड लिए हुए युवक को धमकाते हुए नजर आ रहा है। मृतक के पिता ने सदर पुलिस थाने में शिकायत है। शिकायत में उसने तीन लोगों को उसके बेटे की मौत का जिम्मेवार ठहराया है।

शहर में आवारा कुत्तों व बंदरों का आतंक, रोज अस्पताल आ रहे 7 से 8 मरीज

खास बातें
- नागरिक अस्पताल व निजी अस्पतालों में एंटी रैबिज की वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल का भवन। फोटो: हरिभूमि

क्षेत्र में दिन प्रतिदिन आवारा कुत्तों व बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है, जिससे नगरवासी काफी परेशान हैं।

ये कुत्ते जहां लोगों खासकर बुजुर्गों एवं महिलाओं पर हमला कर रहे हैं तो वहीं स्कूली बच्चों को भी काटकर घायल कर रहे हैं। आलम यह है कि आवारा कुत्तों के झुंड रास्तों को घेरकर खड़े हो जाते हैं, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। शहरवासी आवारा कुत्तों और उत्पाती बंदरों को पकड़वाने की कई बार मांग कर चुके हैं, लेकिन नगर पालिका प्रशासन द्वारा इस ओर कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा। हर रोज कुत्तों और बंदरों के हमलों से घायल लोग नागरिक अस्पताल या फिर निजी अस्पतालों में एंटी रैबिज की वैक्सीन लगवाने के लिए पहुंच रहे हैं।

नगर पालिका के पास नहीं कोई योजना

शहर में रोजाना छह से सात लोग कुत्ते व बंदर के काटने पर नागरिक अस्पताल में पहुंच रहे हैं। इसके अलावा महीनेभर में करीब 150 से 160 मरीज कुत्ते व बंदरों के काटने के आ रहे हैं, लेकिन नगर पालिका द्वारा शहर में आवारा कुत्तों व बंदरों को पकड़ने की कोई योजना तैयार नहीं की गई है। नगर पालिका में रोजाना लोग बंदर व कुत्तों को पकड़ने की शिकायत लेकर जा रहे हैं। इसके बावजूद भी नगर पालिका द्वारा कोई योजना तैयार नहीं की गई है। शहर में बंदरों व आवारा कुत्तों का सबसे ज्यादा आतंक मौहल्ला सैनीपुरा, नीमड़ी नीचे, मौहल्ला खटीकान, कोकाबंगड़ी, नहर कॉलोनी, रेलवे रोड, करेलिया बाजार, माता मसानी चौक सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी कुत्तों व बंदरों का उत्पात है। आवारा कुत्तों से परेशान होकर शहर के लोग कई बार नगर पालिका के अधिकारियों से भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई योजना तैयार नहीं की गई है।

गर्मी के मौसम में अधिक काटते हैं कुत्ते

चिकित्सकों के अनुसार ज्यादा गर्मी में कुत्तों का व्यवहार बदल जाता है। विपरीत मौसम में वह चिड़चिड़े हो जाते हैं। कुत्तों में स्किन इंफेक्शन भी हो जाता है। यही कारण है कि कुत्ते के काटने के केस बढ़ते मौसम में बढ़ जाते हैं। मौसम बदलने की वजह से कुत्ते खतरनाक हो जाते हैं। इसलिए कुत्तों के काटने केस भी काफी बढ़ जाते हैं। चिकित्सकों के अनुसार कुत्ते के काटने पर पहले 3, 7 और 29 दिन में चार इंजेक्शन लगाए जाते हैं। यह चार इंजेक्शन उस स्थिति में लगाए जाते हैं, जब व्यक्ति को काटने वाला कुत्ता पागल हो या उसकी 10 दिन के अंदर मौत हो गई हो। अन्यथा मरीज को तीन इंजेक्शन ही लगाए जाते हैं।

सभी पार्षदों के पास एजेंडा भेजा जाएगा

एक या दो दिन में शहर से बंदर और कुत्तों को पकड़ने के लिए हाउस की मीटिंग करने के लिए सभी पार्षदों के पास एजेंडा भेज दिया जाएगा। प्रस्ताव पास होते ही इनको पकड़ने के लिए जल्द से जल्द टेंडर लगाकर शहर को आवारा कुत्तों व बंदरों से निजात दिलाई जाएगी। –रमेश सैनी, प्रधान, नगर पालिका, महेंद्रगढ़।

महिला महाविद्यालय की अनियमितताओं पर हाईकोर्ट सख्त

उच्चतर शिक्षा निदेशक व एसीएस से मांगा जवाब

विजेता खिलाड़ियों को नहीं मिला पुरस्कार
प्राध्यापकों ने फर्जी बिलों का दबाव बनाने व पीछे की तारीख पर हाजिरी लगाने के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

एडवोकेट सत्यपाल यादव।

चौधरी बैजनाथ राजकीय महिला महाविद्यालय में अनियमिताओं की शिकायत पर हाईकोर्ट ने कड़ा संज्ञान लिया है। विभाग के एसीएसए निदेशक को नोटिस जारी करके शपथ पत्र पर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

कोर्ट ने एथलीट मीट में विजेता छात्राओं को पुरस्कार नहीं मिलने पर हैरानी जताई तथा एजी की मार्फत सरकार से जांच और कार्रवाई प्रक्रिया में देरी होने के कारण पूछा है। कहा कि संस्था के मुखिया द्वारा ही अनियमिताएं बरतना गंभीर विषय है, जिसे अनदेखा करना संभव नहीं।

हाईकोर्ट के एडवोकेट डॉ. सत्यपाल यादव ने बताया कि भुंगारका निवासी दरियाव सिंह ने केस दायर किया था। जिसमें कहा गया कि उच्चतर शिक्षा निदेशालय में 2022-23 में कॉलेज को एथलीट मीट के लिए बजट मुहैया कराया था। प्राचार्य को पत्र भेजकर निर्देशित किया गया था कि बजट राशि कम पड़ने की स्थिति में एएफ फंड से जरूरत के अनुसार राशि विड्राल कर सकते हैं, क्योंकि इस फंड से विद्यार्थियों को विभिन्न सुविधाएं मुहैया कराने का प्रावधान है। नियमानुसार प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर विजेता रही छात्राओं को क्रमशः 500, 300 तथा 200 रुपये बतौर पुरस्कार मिलने थे, लेकिन एक भी विजेता को नकद पुरस्कार नहीं मिला, फोटो खिंचवाने के लिए केवल मोमेंटो थमा दिए थे। शिकायत करने पर छात्राओं को धमकाने तथा परिणाम भुगतने की चेतावनी देना गंभीर मामला है। जिस पर कोर्ट ने कड़ा संज्ञान लिया है। प्राचार्या ने खिलाफ कॉलेज के ही प्राध्यापकों ने फर्जी बिल बनाने का दबाव बनाने, फरलो पर रहकर पीछे की तारीखों में हाजिरी लगाने तथा अन्य संगीन आरोप लगाए थे। जिन पर अदालत ने सख्त रवैया अपनाते हुए विभाग की कार्यशैली पर संदेह व्यक्त किया है। शिकायत मिलने के बावजूद प्राचार्या अपने पद पर बनी हुई है तथा पावर का गलत इस्तेमाल कर रही है। जस्टिस ने विभाग और सरकार को नोटिस करके कार्रवाई के संदर्भ में एफिडेविट पर रिपोर्ट मांगी है।

डीएचईओ की जांच पेंडिंग होने से अटकी कार्रवाई

अपीलकर्ता की शिकायत पर उच्चतर शिक्षा निदेशालय को लीगल नोटिस भेजा गया था, जिसकी जांच डीएचईओ महेंद्रगढ़ को सौंपी गई थी। कमेटी ने स्टॉफ व अन्य कर्मचारियों बयान भी कलमबंद किया था, लेकिन लंबा इंतजार करने के बावजूद जांच रिपोर्ट नहीं मिली, इसके बाद उच्च न्यायलय में केस दायर किया गया था। अदालत ने एडवोकेट जनरल का पक्ष सुनने के बाद विभाग व सरकार को नोटिस जारी कर दिए। उन्होंने बताया कि 24 सितंबर 2025 को केस की अगली सुनवाई होनी है।

साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव को मिला स्वर्ण जयंती नागरी सम्मान

- नागरी लिपि के विकास में किए योगदान के लिए मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। डॉ. रामनिवास मानव को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली ने वरिष्ठ साहित्यकार व शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास मानव को नागरी लिपि के विकास में उनके विशिष्ट योगदान के दृष्टिगत स्वर्ण जयंती नागरी सम्मान प्रदान किया है।

विनोबा भावे की ओर से स्थापित नागरी लिपि परिषद के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर हंसराज महाविद्यालय नई दिल्ली के सभागार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण जयंती समारोह में गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष रामचंद्र राही, परिषद के अध्यक्ष व पूर्व कुलपति डॉ. प्रेमचंद पतंजलि व इग्नू नई दिल्ली के प्रति कुलपति डॉ. किरण हजारिका ने उन्हें शॉल, स्मृति चिह्न, सम्मान पत्र, परिषद की पत्रिका नागरी संगम के स्वर्ण जयंती विशेषांक की प्रति और स्मारिका भेंट कर इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा। इस अवसर पर परिषद के महामंत्री डॉ. हरिसिंह पाल ने बताया कि डॉ. मानव 35 वर्षों से नागरी लिपि परिषद से जुड़े हैं तथा इन्होंने नागरी लिपि के प्रचार प्रसार और संवर्धन में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय और महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ज्ञातव्य है कि डॉ. मानव परिषद के समारोह संयोजक व परिषद की पत्रिका नागरी संगम के संपादक मंडल के सदस्य रह चुके हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जागरूकता शिविर लगाया

महेंद्रगढ़। गांव सिगड़ा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बालिका संरक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अरुण चौधरी ने की, जबकि संचालन स्वास्थ्यकर्मी सुशीला ने किया। इस शिविर का उद्देश्य बालिका के अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति समुदाय में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निशा, मुन्नी, बबीता, सविता, शंकुतला और कमलेश भी उपस्थित रही। इस दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कर्मी सुशीला ने कहा कि एक शिक्षित और सुरक्षित बालिका ही समाज को सशक्त बना सकती है। यदि हम आज अपनी बेटियों को सही दिशा देंगे तो कल वे पूरे समाज का मार्गदर्शन करेंगी। बालिकाओं को केवल संरक्षण नहीं, अवसर भी चाहिए, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के अवसर शामिल हों। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम उन्हें ऐसा वातावरण दें। हम सबको मिलकर बेटियों को बोझ नहीं, वरदान समझना होगा।

महेंद्रगढ़। जागरूकता शिविर में शपथ लेते ग्रामीण।

पुलिस ने ग्रामीणों को नशे से दूर रहने के लिए किया जागरूक

- कुंजपुरा में नशे के साथ अन्य अपराधों की भी जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। कुंजपुरा में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

जिला पुलिस ने लोगों को नशे के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए अटेली के कुंजपुरा गांव में एक चौपाल का आयोजन किया। जिसमें नशे के साथ-साथ अन्य अपराधों की भी जानकारी दी गई।

निरीक्षक शारदा व उनकी टीम ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उन्हें समझाया कि नशा एक ऐसी बीमारी है, जो इंसान को धीरे-धीरे मौत की ओर ले जाती है। टीम ने विशेष रूप से युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें और उन्हें नशे की लत से बचाएं, क्योंकि युवावस्था में लगी यह लत भविष्य में बहुत घातक साबित हो सकती है। पुलिस का मुख्य लक्ष्य युवाओं को नशे से दूर कर शिक्षा और खेलों से जोड़ना है। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से इस अभियान में सहयोग की अपील की। जो लोग नशा छोड़ना चाहते हैं, उनकी हर संभव मदद की जाएगी। कुंजपुरा के सरपंच नरेंद्र ने पुलिस उन्हें नशे के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

नहरी पानी आने पर विधायक ने किया निरीक्षण

- विकास कार्यों में भेदभाव बरतने वाला राजनीतिज्ञ सामाजिक एकता को मजबूत नहीं कर सकता: मंजू चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। जैनपुर में जोहड़ में पहुंचे नहरी पानी का निरीक्षण करती विधायक मंजू चौधरी। फोटो: हरिभूमि

जैनपुर के जोहड़ में नहरी पानी पहुंचने पर विधायक मंजू चौधरी ने मौका निरीक्षण किया तथा विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक गांव के जोहड़ को भरने की हिदायत दी है। कहा कि विकास कार्यों में भेदभाव बरतने वाला राजनीतिज्ञ सामाजिक एकता को मजबूत नहीं कर सकता।

पूरे हलके के गांवों में समान रूप से विकास कराना मेरी प्राथमिकता रहेगी। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का आभार जताया तथा पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया। नांगल चौधरी हलके के 70 फीसदी से गांव नहरों से अटेच नहीं। कुछ गांव नहरों से अटेच हैं, लेकिन पानी उपलब्ध नहीं होता है। जिससे सीएम नायब सिंह सैनी व सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी को अवगत कराया गया था। विधानसभा सत्र के दौरान नांगल चौधरी के नलवाटी व दोहान पच्चीसी की पेयजल समस्या का मुद्दा उठाया था। इसके बाद विभाग ने वंचित गांवों को पाइप लाइन दबाकर नहरों से जोड़ने का प्रपोजल तैयार किया है। जैनपुर गांव के लिए बजट स्वीकृत किया गया लेकिन राजनीतिक भेदभाव के चलते जोहड़ में पानी डालना संभव नहीं हो पाया था। बीते दिनों अधिकारियों को सभी गांवों के जोहड़ भरने की हिदायत दी गई थी। अभी करीब एक महीने नहरों में पानी उपलब्ध रहेगा।

विधायक के प्रयासों से जोहड़ में पानी भरा गया

सरपंच देशराज सिराधना ने पूर्व विधायक पर विकास कार्यों में भेदभाव बरतने के आरोप लगाए हैं। कहा कि तीन साल से जोहड़ में पानी भरने की प्रक्रिया अटकी हुई थी, बीते दिनों विधायक मंजू चौधरी को स्थिति से अवगत कराया था। उन्होंने उच्चाधिकरियों से संपर्क करके तत्परता से जोहड़ को नहरी पानी से भरने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बताया कि जोहड़ भरने से भूजल रिचार्ज हो सकेगा, साथ ही पशुओं को पेयजल की सुविधा मिलेगी।

रोजगार मेले में 15 युवाओं को मिला रोजगार

मंडी अटेली। गांव डेरोली अहीर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में 15 युवाओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी के लिए चयनित किया गया। चयन प्रक्रिया हिमांशु राज सक्सेना व सुरेश चौहान की देखरेख में संपन्न हुई। किया संस्थान के अनुदेशक नवीन कुमार व राकेश कुमार ने बताया कि रोजगार मेले में 2021 से 2024 के पास आउट छात्रों को बुलाया गया था। जिसमें 32 युवाओं ने पंजीकरण कराया। उसमें से 15 को विभिन्न कंपनियों में नौकरी के लिए चयनित किया गया। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार मुहैया करवाने की दिशा में रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। छात्रों को ईमानदारी और अनुशासन के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने करियर में आगे बढ़ सकें।

मंडी अटेली। रोजगार मेले में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

नायब सूबेदार अरविंद को मिला सेना मेडल

सूबेदार अरविंद।

नारनौल। जिले के वीर सपूत नायब सूबेदार अरविंद कुमार पुत्र यादराम वासी नांगलिया को कुपवाड़ा सेक्टर एलसी के नजदीक अंबुस लगाने के आदेश मिला। उन्होंने अपने शौर्य पराक्रम का परिचय देकर अपनी टोली का सकुशल नेतृत्व करते हुए दो उग्रवादियों को ढेर कर दिया और उनका गोला बारूद भी बरामद कर लिया। इनकी इसी बहादुरी पर उनको सेना मेडल से सम्मनित किया गया। उनकी इस बहादुरा पर पारवारजनों ने बधाई दी है। गांव से जिलेसिंह, यादराम, रामअवतार चेयरमैन, मनोज कुमार, कैप्टन ईश्वर सिंह, कैप्टन देशराज व डॉ. जगमाल सिंह ने उनको बधाई दी है।

डीसी ने किया लघु सचिवालय में औचक निरीक्षण

नारनौल। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने मंगलवार को लघु सचिवालय में स्थित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों में साफ सफाई की व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने रिकॉर्ड को नियमानुसार हटाने के भी निर्देश दिए, ताकि कार्यालयों में अनावश्यक सामान न रहे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पाया कि कुछ कार्यालयों को जगह की कमी है। इस समस्या को हल करने के लिए उन्होंने निर्देश दिए कि जिन कार्यालयों को अतिरिक्त कमरे मिले हैं, उनके कुछ कमरों को आवश्यकतानुसार दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। डॉ. भारती ने सभी कार्यालयों के हाजिरी रजिस्टर भी चेक किए। निरीक्षण में जो कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए, उनसे स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए। इससे पहले उन्होंने लघु सचिवालय के पुराने भवन का भी औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को शौचालयों की अच्छी तरह से मरम्मत करवाने के निर्देश दिए। स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए शौचालयों का सही होना बहुत ही जरूरी है।

नारनौल। कार्यालयों का निरीक्षण करते डीसी डॉ. विवेक भारती।

राजकीय विद्यालय भगड़ाना में छात्रों ने निकाली नशा जागरुकता रैली

- पोस्टर मेकिंग, स्लोगन, कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। फोटो: हरिभूमि

राजकीय विद्यालय भगड़ाना में तंबाकू मुक्त पीढ़ी की ओर जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी अलका के आदेशनुसार रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग तथा स्लोगन, कविता लेखन प्रतियोगिता की गई।

प्राचार्य वीरेंद्र शर्मा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम संयोजक राजेश शर्मा झाड़ली, दीपक शर्मा एवं संदीप कुमार ने कहा कि आप अपने जीवन में तंबाकू का प्रयोग ना करें, तंबाकू एक किस्म से जहर हैं। इससे अनेक प्रकार की बीमारी पैदा होती है। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया है आप इस अभियान में अपने परिवार व युवाओं को भी प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता पहले स्कूल स्तर, खंड स्तर व बाद में जिला स्तर पर करवाई जाएगी। इसके बाद नेशनल लेवल की प्रतियोगिता होगी।

इस अवसर पर प्रवक्ता वीरेंद्र सिंह लावण, शैलेंद्र सिंह, राजेश कुमार, अमित कुमार मौजूद रहे।

एचएसईबी यूनियन ने की एसडीओ डीएचवीबीएन से की मुलाकात

बिजली कर्मियों की समस्याओं और मांगों को उठाया

- नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन पर जोर दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। एसडीओ सब अर्बन से मुलाकात करते एचएसईबी यूनियन पदाधिकारी।

हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड यूनियन सब यूनिट के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओ सब अर्बन डीएचवीबीएन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान फील्ड व पावर हाउस में काम करने वाले कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं और मांगों को विस्तार से उनके सामने रखा गया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यूनियन के प्रधान चंद्रजीत व उपप्रधान रविंद्र ने किया। उनके साथ पूर्व प्रधान राकेश यादव और कई अन्य साथी कर्मचारी भी मौजूद थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की कार्य दशाओं में सुधार और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर कर्मचारियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सेफ्टी किट तुरंत उपलब्ध कराने की माग की गई। साथ ही फील्ड और पावर हाउस में काम के दौरान सुरक्षा नियमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। फील्ड व पावर हाउस दोनों जगहों पर स्टाफ की भारी कमी है, जिससे मौजूदा कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ रहा है।

वहीं मांग की कि रात की शिफ्ट में सभी पावर हाउस में एक समर्पित स्विचमैन की नियुक्ति की जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में भी काम सुचारू रूप से चल सके। सभी पावर हाउस में परमिट टू वर्क के लिए एक अधिकृत कर्मचारी नियुक्त किया जाए। यह कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। एसडीओ सबअर्बन ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता से सुना और उनकी मांगों को जायज ठहराया। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और जल्द ही समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में यूनियन के साथी घनश्याम, बलवान, राहुल, संदीप, नरेश, पवन, मोहित आदि कर्मचारी भी उपस्थित थे।